

ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2023

प्रलिस के लयि:

[ग्लोबल हंगर इंडेक्स](#), [ईट राइट इंडिया मूवमेंट](#), [पोषण अभयान \(राष्ट्रीय पोषण मशिन\)](#), [प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना](#), [राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधनियम, 2013](#), [मशिन इंद्रधनुष](#), [समेकति बाल वकिस सेवा योजना](#)

मेन्स के लयि:

भारत में गरीबी और भुखमरी से संबंघति मुददे

[स्रोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

चर्चा में क्यो?

वरल्डवाइड और वेल्थुंगरहलिफे द्वारा संयुक्त रूप से जारी कयि गए वैश्वकि भुखमरी सूचकांक/ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2023 में भारत 125 देशों में से 111वें स्थान पर है, यह भारत में भुखमरी के गंभीर स्तर को दर्शाता है।

- इस इंडेक्स में भारत के पडोसी देशों; **पाकस्तान (102वें)**, **बांग्लादेश (81वें)**, **नेपाल (69वें)** और **श्रीलंका (60वें)** ने भारत से बेहतर स्थान हासलि कयि।

वैश्वकि भुखमरी सूचकांक:

- परचिय:
 - वैश्वकि भूख सूचकांक (Global Hunger Index- GHI) एक सहकरमी-समीक्षा रिपोर्ट है, जसि कंसर्न वरल्डवाइड और वेल्थुंगरहलिफे द्वारा वार्षकि आधार पर प्रकाशति कयि जाता है।
 - GHI एक उपकरण है जसि वैश्वकि, कषेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर भूख को व्यापक रूप से मापने और ट्रैक करने के लयि डिजाइन कयि गया है, जो समय के साथ भूख के कई आयामों को दर्शाता है।
 - GHI स्कोर की गणना भूख की गंभीरता को दर्शाते हुए 100-बदि पैमाने पर की जाती है-0 सबसे अच्छा स्कोर है और 100 सबसे खराब स्कोर को दर्शाता है।

नोट: कंसर्न वरल्डवाइड एक अंतरराष्ट्रीय मानवतावादी संगठन है जो वशिव के सबसे गरीब देशों में गरीबी और पीड़ा से निपटने के लयि समर्पति है।

- वेल्थुंगरहलिफे जर्मनी में एक नजिी सहायता संगठन है। इसकी स्थापना वर्ष 1962 में "फ्रीडम फ्रॉम हंगर कैपेन " के जर्मन खंड के रूप में की गई थी।
- गणना:
 - प्रत्येक देश के GHI स्कोर की गणना एक सूत्र के आधार पर की जाती है जोचार संकेतकों को जोडता है, जो भूख की बहुआयामी प्रकृति को रेखांकति करते हैं:
 - अल्पपोषण: जनसंख्या का वह हसिसा जसिका कैलोरी सेवन अपर्याप्त है;
 - चाइलड सटंटगि: पाँच वर्ष से कम उमर के बच्चों से संबंघति आंकड़ों की हसिसेदारी उनकी उमर के अनुसार कम है, जो दीर्घकालकि कुपोषण को दर्शाता है;
 - चाइलड वेसटगि: पाँच वर्ष से कम उमर के ऐसे बच्चों की हसिसेदारी, जनिका वजन उनकी लंबाई के अनुसार कम है, गंभीर कुपोषण को दर्शाता है;
 - शशु मृत्यु दर: अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मरने वाले बच्चों की हसिसेदारी, अपर्याप्त पोषण और अस्वास्थ्यकर वातावरण की गंभीर स्थिति दिरशाती है।
- सतत वकिस लकष्यों (SDG) के साथ संरेखण:
 - अल्पपोषण की व्यापकता SDG 2.1 का एक संकेतक है, जो सभी के लयि सुरक्षति, पौष्टकि और पर्याप्त भोजन तक पहुँच सुनिश्चति

करने पर केंद्रित है।

- बच्चों का बौनापन और दुबलापन दर **SDG 2.2 के संकेतक** है, जिसका लक्ष्य सभी प्रकार के कुपोषण को समाप्त करना है।
- शिशु मृत्यु को कम करना **SDG 3.2 का लक्ष्य** है।

ग्लोबल हंगर इंडेक्स, 2023 के प्रमुख बंदि:

■ भारत का GHI स्कोर:

◦ स्कोर वशिलेष्ण:

- वर्ष 2023 में भारत का GHI स्कोर 28.7 है, जसिे GHI भुखमरी की गंभीरता के मापदंड के अनुसार "गंभीर" के रूप में वर्गीकृत कया गया है।
 - यह भारत के वर्ष 2015 के GHI स्कोर 29.2 में सुधार को दर्शाता है।
- इसके अतरकित, वर्ष 2000 में 38.4 और वर्ष 2008 में 35.5 के चतिजनक GHI स्कोर की तुलना में भारत ने महत्त्वपूर्ण प्रगति की है।

◦ संबंघति डेटा और संदरभ:

- बच्चों में बौनापन 35.5% प्रचलति है ([भारत का राष्ट्रीय परिवार स्वास्थय सर्वेक्षण](#) (NFHS) 2019-2021)
- भारत में अल्पपोषण की व्यापकता 16.6% है (वशिव में खादय सुरक्षा और पोषण की स्थतिरिपिर्ट 2023)
- भारत में बच्चों में वेस्टगि दर लगभग 18.7% (भारत का NFHS, 2019-21) है, जो रिपिर्ट में सभी देशों में सबसे अधकि है।
- पाँच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु दर 3.1% है (बाल मृत्यु अनुमान के लयि संयुक्त राष्ट्र अंतर-एजेंसी समूह जनवरी 2023)

■ भुखमरी का वैश्वकि रुझान:

- GHI 2023 रिपिर्ट के अनुसार, बेलायूस, बोस्नया और हरजेगोवना, चली, चीन शीर्ष रैंक वाले देशों हैं (यानी यहाँ भुखमरी का स्तर नमिन है) और यमन, मेडागास्कर, मध्य अफ्रीकी गणराज्य सूचकांक में सबसे नीचे हैं।
- समग्र वशिव के लयि GHI 2023 स्कोर 18.3 है, जसिे मध्यम (Moderate) माना जाता है, वर्ष 2015 के बाद से इसमें न्यूनतम सुधार हुआ है।
 - वर्ष 2017 के बाद से [अल्पपोषण](#) (Undernourishment) की व्यापकता 572 मलयिन से बढ़कर लगभग 735 मलयिन हो गई है।
- GHI ने स्थरिता के लयि [जलवायु परिवरतन](#), संघर्ष, आरथकि आघात, [कोवडि-19 महामारी](#) और [रूस-यूकरेन युद्ध](#) सहति वभिनिन संकटों को उत्तरदायी माना है।
 - इन संकटों ने सामाजकि और आरथकि असमानताओं को बढ़ा दया है एवं वशिव भर में भुखमरी कम करने की प्रगति में बाधा उत्पन्न की है।

COMPOSITION OF GHI SCORES AND SEVERITY DESIGNATIONS

Note: All indicator values are standardized.



1/3

Undernourishment

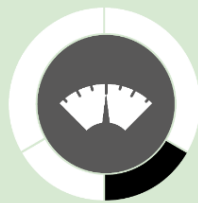
+



1/6

Child stunting

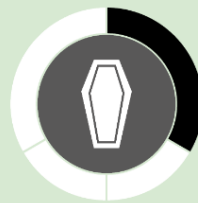
+



1/6

Child wasting

+



1/3

Child mortality

=



GHI SCORE

GHI Severity of Hunger Scale

≤ 9.9	10.0–19.9	20.0–34.9	35.0–49.9	≥ 50.0
Low	Moderate	Serious	Alarming	Extremely alarming

100-point scale

//

GHI रिपिर्ट 2023 पर भारत सरकार की प्रतिक्रिया:

- कार्यप्रणाली की आलोचना: महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने रपिर्ट की पद्धतिके वषिय में चतिा जताई है, जसिमें "गंभीर पद्धतगित मुददे" और "दुरभावनापूरण इरादे" पर प्रकाश डाला गया है।
 - सरकार के पोषण टरैकर के डेटा से पता चलता है कबिचचों में वेस्टगि की दर 7.2% से कम है, जो GHI के 18.7% के रपिर्ट कयि गए आँकड़ों के वपिरीत है।
- बाल स्वास्थय पर ध्यान: सरकार ने कहा कबिचार GHI संकेतकों में से तीन बचचों के स्वास्थय से संबंधति हैं और पूरी जनसंख्या का पूरण प्रतनिधितिव नहीं कर सकते हैं।
- न्यूनतम आबादी सर्वेक्षण: सरकार ने "कुपोषति जनसंख्या का अनुपात" संकेतक की सटीकता के वषिय में संदेह वयक्त कयिा, क्यॉकयिह एक कम आबादी पर कयिे गये सर्वेक्षण पर आधारति है।
- जटलि कारक: सरकार का तरक है कबिसंटगि और वेस्टगि जैसे संकेतक स्वचछता, आनुवंशकिी, पर्यावरण और भोजन उपयग सहति वभिनिन जटलि कारकों के परणाम हैं तथा केवल भुखमरी के लयिे ज़मिमेदार नहीं हैं।
 - सरकार ने यह भी बताया कबिशशि मृत्यु दर केवल भुखमरी का परणाम नहीं हो सकती है, यह दर्शाता है कबिअन्य कारक भी इसमें भूमकिा नभिा रहे हैं।

भुखमरी से संबंधति अन्य शब्द:

शब्द	परभिषा
अल्पपोषण (Undernourishment)	<ul style="list-style-type: none"> संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन द्वारा दी गई परभिषा के अनुसार, यह स्वस्थ जीवन को बनाए रखने के क्रम में अपर्याप्त कैलोरी सेवन को संदर्भति करता है। यह उमर, लगि, कद और शारीरकि गतविधिके संदर्भ में वयक्तगित आवश्यकताओं पर आधारति है।
कुपोषण (Undernutrition)	<ul style="list-style-type: none"> इसमें कैलोरी के अलावा ऊर्जा, प्रोटीन और आवश्यक वटिमनि एवं खनजिों की कमी को शामिल कयिा जाता है। मात्रा और गुणवत्ता दोनों के संदर्भ में अपर्याप्त भोजन का सेवन, संक्रमण या बीमारयिों के कारण पोषक तत्त्वों का सही तरीके से उपयग न हो पाना या इन कारकों के संयोजन से अल्पपोषण होता है।
अनाहार/दुरभकिष (Famine)	<ul style="list-style-type: none"> यह संयुक्त राष्ट्र द्वारा परभिषति एक वशिष स्थति है जो कुछ वशिषिट परस्थितियिों के कारण घटति होती है: <ul style="list-style-type: none"> जब कम-से-कम 20% आबादी भोजन की गंभीर कमी का सामना करती है, तीव्र बाल कुपोषण दर 30% से अधिक, प्रतदिनि 10,000 में से दो लोग भुखमरी या कुपोषण संबंधी बीमारयिों से मरते हैं।

भारत में भुखमरी के लयिे ज़मिमेदार कारक

- सामाजकि आर्थकि असमानताएँ और गरीबी: वयापक गरीबी और सामाजकि आर्थकि असमानताएँ भारत में भुखमरी के मूलभूत नरिधारक हैं।
 - गरीबी के कारण अपर्याप्त भोजन, आवश्यक पोषण तथा स्वास्थय सेवाएँ वहन करने में समस्या उत्पन्न होती है।
- प्रचछन्न भुखमरी: भारत गंभीर सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की कमी (जसिे प्रचछन्न भुखमरी के रूप में भी जाना जाता है) का सामना कर रहा है।
 - इस समस्या के कई कारण हैं, जनिमें खराब आहार, बीमारी और गर्भावस्था तथा स्तनपान के दौरान सूक्ष्म पोषक तत्त्वों की ज़रूरतों को पूरा करने में वफिलता शामिल है।
- अकुशल कृषि पद्धतयिाँ और खाद्य वतिरण: कृषि पद्धतयिों में अक्षमताएँ, जनिमें इष्टतम से कम फसल की पैदावार और फसल के बाद के नुकसान शामिल हैं जो अपर्याप्त खाद्य उपलब्धता में यगदान करती हैं।
 - इसके अलावा खाद्य वतिरण और आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में बाद में हुई कमी ने कमज़ोर आबादी तक भोजन के प्रवाह को प्रतबिंधति कर दयिा, जसिके परणामस्वरूप भोजन की कमी और कीमतें बढ़ गई, जो गरीबों को असंगत रूप से प्रभावति करती हैं।
- लैंगकि असमानता और पोषण संबंधी असमानताएँ: लगि आधारति असमानताएँ भारत में भूख और कुपोषण की समस्या को बढ़ाती हैं।
 - महिलाओं और लड़कियिों को अक्सर घरों में भोजन की असमान पहुँच का अनुभव होता है, उनहें छोटे हिस्सा या कम गुणवत्ता वाला आहार मलतिा है।
 - यह असमानता, मातृ एवं शशि देखभाल की मांग के साथ मलिकर उनहें उच्च पोषण संबंधी जोखमिों में डालती है, जसिसे दीर्घकालकि कुपोषण की स्थति उत्पन्न होती है।
- जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय तनाव: भारत जलवायु परिवर्तन से संबंधति पर्यावरणीय तनावों, जैसे बदलते मौसम पैटर्न, वषिम मौसम की घटनाओं और प्राकृतकि आपदाओं के प्रतअतसिंवेदनशील है।
 - ये कारक कृषि उत्पादन को बाधति कर सकते हैं, जसिसे फसल बर्बाद हो सकती है और भोजन की कमी हो सकती है।
- पोषण संबंधी कार्यकरमों के लयिे लेखापरीक्षा का अभाव: यदयपि देश में पोषण में सुधार के मुख्य घटक के साथ कई कार्यकरमों की योजना बनाई गई है, लेकनि स्थानीय शासन स्तर पर पोषण संबंधी लेखापरीक्षा तंत्र न्यूनतम या इसका अभाव है।

भुखमरी के उन्मूलन हेतु भारत की पहलें:

- 'ईट राइट इंडिया मूवमेंट'
- पोषण (POSHAN) अभियान
- मध्याह्न भोजन योजना
- प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013
- मशिन इंद्रधनुष
- एकीकृत बाल विकास सेवा (ICDS) योजना
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना

आगे की राह

- सामाजिक लेखापरीक्षण और जागरूकता: पोषण पर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ, स्थानीय अधिकारियों को शामिल करते हुए सभी जिलों में मध्याह्न भोजन योजना के सामाजिक लेखापरीक्षण को अनिवार्य किया जाना चाहिये।
 - कार्यक्रम की बेहतर नगिरानी के लिये सूचना प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहिये।
 - समुदाय-संचालित पोषण शिक्षा कार्यक्रमों की शुरुआत की जानी चाहिये जो संतुलित आहार, भोजन तैयार करने और स्थानीय भाषाओं में पोषण के महत्त्व के बारे में जागरूकता को बढ़ाते हैं, विशेष रूप से महिलाओं एवं बच्चों को लक्षित करते हुए।
- PDS योजना का विस्तार: पौष्टिक भोजन की उपलब्धता में पारदर्शिता, विश्वसनीयता और वहनीयता को बढ़ाने के लिये सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को पुनर्जीवित किया जाना चाहिये, जिससे आर्थिक रूप से वंचित लोगों को लाभ होगा।
- भोजन की बर्बादी को कम कर भुखमरी का निराकरण: भंडारण और शीत भंडारण सुविधाओं में सुधार करके भोजन की बर्बादी के मुद्दों का समाधान करने की आवश्यकता है।
 - इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रेफ्रिजरेशन के अनुसार, यदि विकासशील देशों में विकसित देशों के समान स्तर का प्रशीतन बुनियादी ढाँचा उपलब्ध होता, तो वे 200 मिलियन टन भोजन या अपनी खाद्य आपूर्ति का लगभग 14% भाग बचा पाने में सक्षम होते, जिससे भुखमरी और कुपोषण से निपटने में मदद मिलती।
- मोबाइल पोषण क्लीनिक: मोबाइल पोषण क्लीनिक जैसी सुविधाओं की शुरुआत की जानी चाहिये जो बच्चों और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य मूल्यांकन, आहार परामर्श तथा उन्हें पूरक आहार प्रदान करने के लिये सुदूर व वंचित क्षेत्रों का दौरा करें।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न

प्रश्न. ग्लोबल हंगर इंडेक्स रिपोर्ट की गणना के लिये IFPRI द्वारा उपयोग किये जाने वाले संकेतक नमिनलखिति में से कौन सा/से है/हैं? (2016)

1. अल्पपोषण
2. चाइल्ड सटंटिंग
3. बाल मृत्यु दर

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) 1, 2 और 3
- (c) केवल 2 और 3
- (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (c)

??????:

प्रश्न: खाद्य सुरक्षा वधियक से भारत में भूख और कुपोषण समाप्त होने की उम्मीद है। विश्व व्यापार संगठन में उत्पन्न चिंताओं के साथ-साथ इसके प्रभावी कार्यान्वयन में वभिन्न आशंकाओं पर आलोचनात्मक चर्चा कीजिये। (वर्ष 2013)

